05.11.2017 समापन समारोह (04:30-05:30)

अध्यक्ष : **प्रो. उपेन्द्र झा**
पूर्वकुलपति, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

विशिष्ट अतिथि : **डॉ. सधीर कुमार झा**
जिला शिक्षा पदाधिकारी, दरभंगा

सारस्वत अतिथि : **प्रो. रामनाथ सिंह**
ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा

सान्निध्य : **डॉ. देव नारायण यादव**
मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, दरभंगा

संचालक : **प्रो. शशिनाथ झा**

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

निवेदक
व्याकरण विभाग
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा
एवं
श्री शंकर शिक्षायतन, नई दिल्ली

कार्यक्रम-स्थल

अधिषत् कक्ष
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय
दरभंगा

Pandit Motilal Shastri

[1908-1960]

Pandit Motilal Shastri passed the Prathama examination of Kashi at an early age of 12 and continued his studies in the Maharaja Sanskrit College, Jaipur.

At a conference in Varanasi, the young Motilal heard Pt. Madhusudan Ojha speak on the Vedic sciences. The young man decided to become Ojhaji's disciple and studied Vedas with him. It ensured the continuation of the tradition of dissemination of the knowledge of Vedic science, which Pt. Madhusudan Ojha had rekindled after it had sunk into oblivion for several centuries.

Rishi Kumar Mishra

[1932-2009]

Rishi Kumar Mishra was a disciple of Pt. Motilal Shastri. He wrote five seminal works in English based on the knowledge he acquired from his Guru. They are: Before the Beginning and After the End, The Cosmic Matrix, The Realm of Supraphysics, The Ultimate Dialogue and The Whole Being.

Shri Shankar Shikshayatan

Shri Shankar Shikshayatan Trust was set up by Rishi Kumar Mishra to encourage research and further study on the works of Pt. Madhusudan Ojha and Pt. Motilal Shastri. The Trust continues to pursue this objective by way of organizing lectures, workshops, seminars and by providing fellowships.

Shri Shankar Shikshayatan
D-6/25 Vasant Vihar, New Delhi 110057
Phone: 26142604, Email: ssst.2015@gmail.com
www.shankarshikshayatan.org

तेजस्वि नावधीतमस्तु

श्री शंकर शिक्षायतन, नई दिल्ली

एवं

व्याकरणविभाग
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

के संयुक्त तत्त्वावधान में समायोजित

राष्ट्रीय संगोष्ठी

पण्डित मधुसूदन ओझा : व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व

4-5 नवम्बर 2017

04.11.2017 उद्घाटनसत्र (09:30-11:30)

अध्यक्ष : **प्रो. सर्वनारायण झा**
कुलपति, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

स्वागतवक्तव्य : **प्रो. शशिनाथ झा**
संगोष्ठी संयोजक, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

विषयप्रवर्तक : **डॉ. सन्तोष कुमार शुक्ल**
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली

मुख्य अतिथि : **प्रो. विद्याधर मिश्र**
पूर्वकुलपति, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

मुख्य वक्ता : **प्रो. सुरेश्वर झा**
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

संचालक : **डॉ. दयानाथ झा**

अल्पाहार (11:30-11:45)

04.11.2017 प्रथमसत्र (11:45-01:30)

अध्यक्ष : **प्रो. रामचन्द्र झा**
पूर्वकुलपति, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

विशेषज्ञवक्ता

अपरवाद की समीक्षा — **प्रो. कालिकादत्त झा**
ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा

व्याकरण विनोद में नामधातु — **डॉ. उमाकान्त चतुर्वेदी**
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

व्याकरणविनोद के तद्धितपरिच्छेद का दिग्दर्शन — **डॉ. दयानाथ झा**
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

वेदधर्मव्याख्यान ग्रन्थ का परिचय — **डॉ. विनयकुमार मिश्र**
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

संचालक : **प्रो. सुरेश्वर झा**

भोजनावकाश (01:30-02:30)

04.11.2017 द्वितीयसत्र (02:30-05:30)

अध्यक्ष : **प्रो. शिवाकान्त झा**
पूर्वकुलपति, नालन्दा मुक्त विश्वविद्यालय, पटना

विशेषज्ञवक्ता

आवरणवाद की समीक्षा — **प्रो. भगीरथ मिश्र**
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

यज्ञसरस्वती के अग्निष्टोमाधिकार का प्रतिपाद्य — **प्रो. विद्येश्वर झा**
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

ब्रह्मसिद्धान्त का प्रतिपाद्य — **प्रो. जयशंकर झा**
ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा

प्रत्यन्तप्रस्थानमीमांसा का स्वरूप — **प्रो. श्रीपति त्रिपाठी**
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

पितृसमीक्षा की विशेषता — **डॉ. पुरेन्द्रवारिक**
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

संचालक : **प्रो. शशिनाथ झा**

अल्पाहार (05:30)

द्वितीय दिवस

05.11.2017 तृतीयसत्र (09:30-11:30)

अध्यक्ष : **प्रो. देवनारायण झा**
पूर्वकुलपति, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

विशेषज्ञवक्ता

धर्मपरीक्षा पञ्जिका का महत्त्व — **डॉ. दिलीपकुमार झा**
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

श्रीमद्भगवतगीताविज्ञान की प्रासंगिकता — **प्रो. बौआनन्द झा**
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

पञ्चभूतसमीक्षा — **डॉ. मणिशंकर द्विवेदी**
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र नई दिल्ली

पुराणनिर्माणाधिकरण की समीक्षा — **डॉ. भवनाथ झा**
महावीर मन्दिर, पटना

संचालक : **प्रो. विद्येश्वर झा**

अल्पाहार (11:30-11:45)

05.11.2017 चतुर्थसत्र (11:45-01:30)

अध्यक्ष : **प्रो. हृषीकेश झा**
ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा

विशेषज्ञवक्ता

मधुसूदन ओझा का व्यक्तित्व — **प्रो. लक्ष्मीनाथ झा**
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

ब्रह्मचतुष्पदी का विषयवस्तु — **प्रो. रवीन्द्रनारायण झा**
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

पं. मधुसूदन ओझा का संस्कृत में योगदान — **डॉ. विघ्नेशचन्द्र झा**
आर.के. कालेज, मधुवनी

पं मधुसूदन ओझा का परिचय — **डॉ. सदानन्द झा**
आदर्श महाविद्यालय, लगमा

स्मार्तकुण्डाध्यायसमीक्षा — **डॉ. मार्कण्डेय शारदेय**
सनातन ज्योतिष कार्यालय, पटना

संचालक : **डॉ विश्राम तिवारी**

भोजनावकाश (01:30-02:30)

05.11.2017 पञ्चमसत्र (02:30-04:30)

अध्यक्ष : **प्रो. इन्द्रनाथ झा**
बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर

विशेषज्ञवक्ता

आवरणवाद की समीक्षा — **डॉ. नन्द किशोर चौधरी**
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

मधुसूदन ओझा का परिचय — **डॉ. श्रीमती रेणुका सिन्हा**
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

इन्द्रविजय का परिचय — **डॉ. कृष्णकान्त झा**
महाराज लक्ष्मेश्वर सिंह महाविद्यालय, सरिसब-पाही

वैदिक विज्ञान — **डॉ. राजेन्द्र झा**
संस्कृत महाविद्यालय, पातेपुर दरभंगा

कादम्बिनी की समीक्षा — **डॉ. राजनाथ झा**
ज्योतिर्वेदविज्ञान संस्थान, पटना

कादम्बिनी एवं वनमाला की तुलना — **श्री वरुणकुमार झा**
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

व्याकरणविनोद के समासपरिच्छेद — **श्री रूपेशकुमार झा**
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

संचालक : **प्रो. बौआनन्द झा**